जन्म दिन मुबारक



सुशांत आनंद
पिता : दीपक आनंद
(जम्मू)



अंतरा चावला
पिता : प्रदीप चावला
(जम्मू)



कनिका मेहता
पिता : बंसी लाल
(जम्मू)



डॉ. अमनप्रीत कौर
पिता : नरिंदर सिंह
(जम्मू)

बंधन प्यार का



पवन मित्तल और किरण मित्तल को विवाह की 37वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं।



प्रतीक सिंह अग्रोइया और नवनीत कौर को विवाह की तीसरी वर्षगांठ पर बधाई।

सैल्फी स्टार



डॉ. शुभम चौधरी अपनी पत्नी डॉ. अमनप्रीत के साथ।



साक्षी के साथ सुहानी।



आयुषी अपनी बेटी के साथ।



कृष्णा मेहता अपनी बेटी के साथ।



नितिन नागपाल के साथ श्वेता।

30 साल की सेवा के बाद भी नियमितीकरण का इंतजार, 61 हजार डेली वेजरों के परिवारों पर संकट!

फ्रंट ने पी.एच.ई. मंत्री को सौंपा ज्ञापन, बकाया वेतन जारी करने सहित 7 प्रमुख मांगें उठाईं

जम्मू, 19 नवम्बर (सतीश): जम्मू-कश्मीर के विभिन्न सरकारी विभागों में पिछले 3 दशकों से सेवाएं दे रहे हजारों दैनिक वेतनभोगी (डेली वेजर) कर्मचारी आज भी नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

सरकारें बदलती रहीं, आश्वासन मिलते रहे और नियमितीकरण के लिए समितियां भी गठित हुईं, लेकिन इन कर्मचारियों की स्थिति में कोई ठोस बदलाव नहीं आया।

करीब 61 हजार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के भविष्य का सवाल आज भी अधर में लटका हुआ है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि लगातार सरकारों की अनदेखी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हजारों परिवार आर्थिक संकट झेल रहे हैं।



पी.एच.ई. मंत्री के समक्ष अपनी लंबित मांगों पर चर्चा करते फ्रंट के प्रतिनिधि। (सोहन)

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों (पी.एच.ई. एम्पलायज यूनाइटिड फ्रंट) ने वीरवार को रवि हंस, राजिंदर सिंह, होशियार सिंह, मोहन लाल और नवदीप सिंह ने जल शक्ति (पी.एच.ई.) मंत्री को ज्ञापन सौंपकर लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान करने की अपील की है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में आंदोलन और उग्र हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

कर्मचारियों की 7 प्रमुख मांगें

- दैनिक वेतनभोगियों की सेवाएं एस.आर.ओ.-64/1994 अथवा एस.आर.ओ.-520/2017 के तहत सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित नियमित की जाएं।
- पी.एच.ई. विभाग के कर्मचारियों का 60 महीने का लंबित अर्जित वेतन जारी किया जाए तथा सेवानिवृत्त दैनिक वेतनभोगियों को 10 लाख रुपये का विशेष मुआवजा दिया जाए।
- सेवा के दौरान मृत्यु होने पर मृतक दैनिक वेतनभोगी के परिवार के एक सदस्य को नौकरी प्रदान की जाए।
- सभी दैनिक वेतनभोगियों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।
- सभी दैनिक वेतनभोगियों पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई.पी.एफ.ओ.) योजना लागू की जाए।
- सरकारी विभागों में कर्मचारी राज्य बीमा (ई.एस.आई.) योजना लागू की जाए।
- सेवानिवृत्त दैनिक वेतनभोगियों को ग्रेच्युटी का लाभ प्रदान किया जाए।

2014 की समिति की रिपोर्ट भी ठंडे बस्ते में

दैनिक वेतनभोगियों के अनुसार, वर्ष 2014 में तत्कालीन राज्य सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की वास्तविक संख्या का पता लगाने के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित की थी। इस समिति ने 24 अक्तूबर 2014 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर में 61,011 दैनिक वेतनभोगियों के कार्यरत होने का उल्लेख किया गया था। सरकार ने इन कर्मचारियों की सेवाएं 3 चरणों में नियमित करने का निर्णय लिया था।

पहले चरण में 1994 से 2005, दूसरे चरण में 2006 से 2009 और तीसरे चरण में 2010 से 2014 के बीच नियुक्त कर्मचारियों को शामिल किया जाना था। हालांकि विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद यह प्रक्रिया स्थगित हो गई और कर्मचारियों का मामला आगे नहीं बढ़ सका।

कर्मचारियों ने कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन भाजपा-पी.डी.पी. गठबंधन सरकार ने एस.आर.ओ.-520 जारी किया था, लेकिन इसका लाभ जमीनी स्तर पर कर्मचारियों को पूरी तरह नहीं मिला।

नियमितीकरण में जम्मू संभाग के साथ भेदभाव का आरोप

कर्मचारी प्रतिनिधियों के अनुसार, वर्ष 2004 में पी.एच.ई. विभाग ने कश्मीर संभाग में 11,129 दैनिक वेतनभोगियों की सेवाएं नियमित की थीं, जबकि जम्मू संभाग में केवल 855 कर्मचारियों को नियमित किया गया।

उन्होंने इसे जम्मू संभाग के कर्मचारियों के साथ बड़ा भेदभाव बताते हुए इस असमानता को दूर करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2011 में प्रशासनिक विभाग ने जम्मू संभाग के 4,905 दैनिक वेतनभोगियों को प्रमाणित किया था।

यह प्रक्रिया आदेश संख्या 14/2009 के तहत हुई थी। कर्मचारियों का आरोप है कि वित्त विभाग की ओर से हर महीने वेतन के लिए राशि जारी किए जाने के बावजूद संबंधित विभाग ने इसे जरूरत आधारित आकस्मिक कर्मचारियों में बांट दिया। इसके कारण संबंधित कर्मचारियों का लगभग 60 से 70 महीने का वेतन अब भी लंबित बताया जा रहा है।

उप-राज्यपाल के आश्वासन के बाद भी इंतजार

कर्मचारी प्रतिनिधियों ने ज्ञापन में दावा किया है कि 11 नवम्बर 2020 को जिला विकास परिषद चुनावों के बाद तत्कालीन उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजभवन में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि नियमितीकरण की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी। हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि आश्वासन के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। कर्मचारी प्रतिनिधियों ने सरकार से अपील की है कि हजारों परिवारों से जुड़े इस मामले को और लंबा न खींचा जाए। उनका कहना है कि 30 वर्षों तक सरकारी विभागों में सेवाएं देने के बावजूद नियमितीकरण, वेतन और सामाजिक सुरक्षा से वंचित रहना कर्मचारियों के लिए गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट पैदा कर रहा है।

उन्होंने जल शक्ति मंत्री से हस्तक्षेप कर सभी लंबित मांगों पर समयबद्ध निर्णय लेने की मांग की है। जल शक्ति मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि बहुत जल्द उनकी बैठक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से कराई जाएगी जिसमें सभी संबंधित प्रशासनिक सचिव होंगे और मांगों का समाधान निकाला जाएगा।



जी.एम.सी. में काली पट्टियां बांधकर प्रदर्शन करते डॉक्टर। (राजा)

जी.एम.सी. कठुआ के पी.जी. और सीनियर रैजीडैंट डॉक्टरों ने बांधीं काली पट्टियां

वेतन समानता की मांग को लेकर शुरू किया विरोध प्रदर्शन

कठुआ, 19 नवम्बर (राजा): सरकारी मैडीकल कॉलेज कठुआ के पी.जी. और सीनियर रैजीडैंट डॉक्टरों ने वेतन विसंगति को दूर करने और वेतन में समानता लागू करने की मांग को लेकर वीरवार से काली पट्टियां बांधकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

डॉक्टरों ने अपनी बाजुओं पर काली पट्टियां बांधकर सरकार और स्वास्थ्य विभाग के प्रति रोष जताया। उनका कहना है कि वर्ष 2019 से उनके वेतन में कोई संशोधन नहीं किया गया है, जिसके चलते उन्हें प्रदेश के अन्य प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में कार्यरत समान पदों के डॉक्टरों की तुलना में कम वेतन मिल रहा है।

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा कि जी.एम.सी. कठुआ में पी.जी. और सीनियर रैजीडैंट डॉक्टरों की चयन प्रक्रिया, शैक्षणिक योग्यता और ड्यूटी की जिम्मेदारियां प्रदेश के अन्य मैडीकल संस्थानों के डॉक्टरों के समान हैं।

इसके बावजूद उनके वेतन में अंतर रखा जाना उनके साथ अन्याय और भेदभाव है। उन्होंने मांग की कि उनका वेतन एस.के.आई.एम.एस. कश्मीर और एम्स जम्मू में कार्यरत रैजीडैंट डॉक्टरों के बराबर किया जाए, ताकि सभी सरकारी चिकित्सा संस्थानों में वेतन संबंधी समानता सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान रैजीडैंट डॉक्टर डॉ. नदीम ने कहा कि पी.जी. मैडीकल एजुकेशन रैगुलेशन के प्रावधानों के बावजूद वर्ष 2019 से उनके वेतन में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

उन्होंने बताया कि एस.के.आई.एम.एस. और एम्स जम्मू में रैजीडैंट डॉक्टरों को लगभग 1.30 लाख से 1.40 लाख रुपए तक वेतन मिल रहा है, जबकि जी.एम.सी. कठुआ के डॉक्टरों को समान जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद इस स्तर का वेतन नहीं दिया जा रहा है।

डॉक्टरों ने बताया कि वेतन विसंगति का यह मामला पिछले कई वर्षों से सरकार और संबंधित विभागीय अधिकारियों के समक्ष उठाया जा रहा है।



पराली की ट्रैक्टर-ट्राली में लगी भयंकर आग। (लोकेश)

छन्न समोत्रा में पराली से भरी ट्रैक्टर-ट्राली बनी आग का गोला, पुलिस और दमकल विभाग की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

घगवाल, 19 नवम्बर (लोकेश): जिला सांबा के घगवाल क्षेत्र के छन्न समोत्रा इलाके में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पराली से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली में अचानक आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्राली में लदी पराली धू-धू कर जलने लगी। आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से ट्रैक्टर-ट्राली के चालक और उसके साथी को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद दमकल विभाग की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया।

पुलिस और दमकल विभाग की तत्परता के चलते आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया और एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

फिलहाल आग लगने के कारणों और नुकसान का विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है। पुलिस एवं दमकल विभाग की समय पर की गई कार्रवाई से चालक और उसके साथी की जान सुरक्षित बच गई।

4 अलग-अलग स्थानों पर गौवंश तस्करी के प्रयास नाकाम : 63 मवेशी मुक्त; 2 गिरफ्तार, 4 वाहन जब्त

कठुआ, 19 नवम्बर (महाजन, राजा): गौवंश तस्करी के खिलाफ अभियान तेज करते हुए कठुआ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग, चड़वाल (राजबाग), हटली मोड़ (कठुआ) और लखनपुर ट्रक टर्मिनल सहित 4 अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 63 गौवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त करवाया है।



पुलिस द्वारा जब्त किए ट्रक तथा महिंद्रा कैरियर। (महाजन)

इस दौरान 2 आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ 3 ट्रकों और एक महिंद्रा लोड कैरियर सहित 4 वाहनों को जब्त किया गया है। यह पूरा अभियान एस.एस.पी. कठुआ मोहिता शर्मा (आई.पी.एस.) की समग्र निगरानी एवं दिशा-निर्देशन में चलाया गया।

चड़वाल में 25 गौवंश बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

पहली कार्रवाई 17 नवम्बर को पुलिस पोस्ट चड़वाल की टीम ने थाना राजबाग के अंतर्गत चड़वाल क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान की। इस दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे संदिग्ध ट्रक नंबर एच.पी.72ए-3995 को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान ट्रक में 25 गौवंश को अमानवीय तरीके से लदा हुआ पाया गया।

पुलिस ने सभी गौवंश को मुक्त करवाकर ट्रक जब्त कर लिया। ट्रक चालक अरशद पुत्र लियाकत अली निवासी गंगोह, तहसील नकुड़, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) तथा उसके सहयोगी मोहम्मद शबीर पुत्र मोहम्मद लतीफ निवासी मीरां साहिब, जम्मू को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना राजबाग में एफ.आई.आर. नंबर 254/2026, धारा 223 बी.एन.एस. एवं 11 पी.सी.ए. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

राजबाग में एक अन्य ट्रक से 10 गौवंश मुक्त

दूसरी कार्रवाई में थाना राजबाग पुलिस ने पंजाब से जम्मू की ओर आ रहे एक अन्य ट्रक नंबर यू.पी.13ए.टी.-2984 को जब्त कर उसमें लदे 10 गौवंश को मुक्त करवाया। इस मामले में एफ.आई.आर. नंबर 253/2026, धारा 223 बी.एन.एस. एवं 11 पी.सी.ए. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई है।

हटली मोड़ पर महिंद्रा लोड कैरियर जब्त, 3 गौवंश मुक्त

तीसरी कार्रवाई 17 नवम्बर को पुलिस पोस्ट हटली की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर हटली मोड़ के पास नाकाबंदी के दौरान की। इस दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे महिंद्रा लोड कैरियर नंबर जे.के.06-8721 को जांच के लिए रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 3 गौवंश अमानवीय तरीके से लदे हुए मिले। पुलिस ने गौवंश को मुक्त करवाकर वाहन जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना कठुआ में एफ.आई.आर. नंबर 570/2026, धारा 223 बी.एन.एस. एवं 11 पी.सी.ए. एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लखनपुर ट्रक टर्मिनल पर 25 गौवंश बरामद

चौथी कार्रवाई 19 नवम्बर को थाना लखनपुर पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ट्रक टर्मिनल पर नाकाबंदी के दौरान की। इस दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे ट्रक नंबर एच.आर.55पी-7384 की तलाशी लेने पर उसमें 25 गौवंश अमानवीय तरीके से लदे हुए पाए गए। पुलिस ने सभी गौवंश को मुक्त करवाकर ट्रक जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना लखनपुर में एफ.आई.आर. नंबर 158/2026, धारा 223 बी.एन.एस. एवं 11 पी.सी.ए. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इस प्रकार कठुआ पुलिस ने 4 अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 63 गौवंश को मुक्त करवाने के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 3 ट्रकों तथा एक महिंद्रा लोड कैरियर सहित 4 वाहनों को जब्त किया।

खुशी के हर खास मौके पर...
सदा आपके साथ
जन्मदिन
विवाह
अपने बेटे/बिटिया के जन्मदिन
नव-विवाहित जोड़े अपने विवाह
वर्षगांठ
सैलीबरी स्टार
अपने विवाह की वर्षगांठ
परिवार एवं मित्रों की सैल्फी (3 से ज्यादा)
फोटो हमें भेजें।
selfiepkjammu@gmail.com
9419186296
नोट: मैल में नाम, पता और मोबाइल नम्बर जरूर लिखें।

झिड़ी मेला लगने को कुछ दिन बाकी, नहीं सुधरी सड़कों की हालत

जम्मू, 19 नवम्बर (रोशनी): उत्तर भारत के सबसे बड़े मेलों में शामिल झिड़ी मेला शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं। इसे लेकर प्रशासन द्वारा लगातार तैयारियां की जा रही हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि सड़कों की हालत अभी भी काफी खस्ता है।

मेले स्थल को जोड़ने वाली सभी लिंक रोड और मुख्य सड़कों की हालत काफी खराब है। हर वर्ष मेले से पहले मेले से जुड़ी सड़कों पर तारकोल डाली जाती है, उनकी मरम्मत की जाती है, साथ ही मुख्य सड़कों पर भी तारकोल बिछाई जाती है।



जम्मू से बोहड़ी, संग्रामपुर से होते हुए झिड़ी मेले की ओर जाती मुख्य सड़क व अन्य लिंक रोड की खस्ताहालत के दृश्य। (तनवीर)

लेकिन इस बार सड़कों की हालत काफी खस्ता है, जिसे लेकर स्थानीय लोग भी काफी परेशान हैं। क्योंकि खस्ताहाल सड़कों से झिड़ी मेला तक पहुंचना काफी मुश्किल रहेगा। साथ ही वाहन चालकों को भी दिक्कत होगी। वहीं श्रद्धालुओं की बात करें तो उन्हें भी खस्ताहाल सड़कों के चलते काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

क्योंकि श्रद्धालु अपनी मन्नत को पूरा करने या फिर मन्नत मांगने के लिए झिड़ी मंदिर या फिर देवस्थान बाबा तालाब तक नंगे पांव चलते भी सड़कों से होकर जाते देखे जा सकते हैं। ऐसे में टूटी-फूटी सड़कों से उन्हें काफी परेशानी होगी।

इसी मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है और मांग की है कि मेला शुरू होने से पहले सभी सड़कों की तुरंत मरम्मत की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

सैले तालाब की 7 दुकानों का ऑक्शन करेगा नगर परिषद, 28 लाख तय की शुरूआती बोली

ऊधमपुर, 19 नवम्बर (दीपक): नगर परिषद द्वारा शहर में सैले तालाब स्थित नगर परिषद की 7 दुकानों के ऑक्शन का ऐलान कर दिया गया है। इन दुकानों के लिए शुरूआती बोली 28 लाख रुपए रखी गई है।

इस संबंध में नगर परिषद के सी.ई.ओ. ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि ऑक्शन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी और इच्छुक व्यापारी निर्धारित नियमों के तहत इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि जिसकी बोली सबसे उंची होगी उसी को दुकान अलॉट की जाएगी। उन्होंने इस दुकानों का किराया 4500 रुपए प्रतिमाह रखा गया है तथा 40 वर्ष के लिए लीज पर होंगी। 40 वर्षों के उपरांत उस समय जो भी प्रक्रिया होगी वह अपनाई जाएगी।

सी.ई.ओ. ने कहा कि इस ऑक्शन से स्थानीय व्यापारियों को व्यापार के नए अवसर मिलेंगे और नगर के विकास के लिए राजस्व में भी बढ़ौतरी होगी।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय: एस.सी.ओ. 19, दूसरी मंजिल, डी-ब्लॉक, रंजीत एवेन्यू, अमृतसर.
ई-मेल: recovery.amritsar@bankofbaroda.com
ई-नीलामी बिक्री सूचना

चल और अचल संपत्तियों के लिए बिक्री सूचना "APPENDIX-II-A/IV-A [नियम 6(2) और 8(6) का प्रोविज़ो देखें]

सिक्योरिटाइज़ेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनैंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ द सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत चल / अचल संपत्तियों / एसेट्स की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना, जिसे सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002 के नियम 8(2) और 8(6) और 9 के प्रोविज़ो के साथ पढ़ा जाए। इसके द्वारा आम जनता को और खास तौर पर कर्जदार(रों), गारंटर(रों) को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे बताई गई चल / अचल संपत्ति, जो सिक्योर्ड क्रेडिटर को चार्ज / गिरवी की गई है, जिसका कब्ज़ा बैंक ऑफ़ बड़ौदा के अधिकृत अधिकारी ने ले लिया है, को जैसा है जहां है, जैसा है वैसा है और जो भी है के आधार पर बेचा जाएगा ताकि नीचे वर्णित खातों में बैंक देयों की वसूली की जा सके। कर्जदारों, गिरवीकर्ता और गारंटर: सिक्योर्ड एसेट्स/देयें/रिजर्व प्राइस/ईएमडी/बोली बढ़ाने की रकम और ई-नीलामी की तारीख और समय की डिटेल्स नीचे दी गई हैं : ईएमडी के पेमेंट का तरीका: नेफ्ट

शाखा का नाम और पता/एनपीए खाता	चल और अचल प्रॉपर्टीज़/एसेट्स का विवरण कब्ज़े का स्टेटस (कंस्ट्रक्टिव / फिजिकल / सिंबॉलिक)	डिमांड नोटिस की तारीख कुल देय	ई-नीलामी की तारीख ई-नीलामी का समय ई-नीलामी के दौरान ली जाने वाली न्यूनतम बढ़ोतरी राशि	रिजर्व प्राइस ब्योरा जमा बिड बढ़ाने की रकम	प्रॉपर्टी का इंस्पेक्शन तारीख और समय
कठुआ ब्रांच जम्मू (1) सुखदेव सिंह पुत्र श्री विश्वनाथ (कर्जदार) और विश्वनाथ (सह कर्जदार) पता : नजदीक शिव मंदिर, गांव कुटलेहड़ा, सम्बलपुर, कठुआ 184152	गाड़ी का मेक/मॉडल मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, SWIFT VXI, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर JK08-N-2063, चेसिस नंबर MBHCZCB3SPEC44983, इंजन नंबर K12NP1432247, जिसे श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री विश्व नाथ के नाम पर रजिस्टर्ड है। गाड़ी बैंक ऑफ बड़ौदा के कब्जे में हाइपोथेकेटेड है। (भौतिक कब्जा)	22-05-2026 रु. 5,45,154/- +4-11-2025 से ब्याज, अन्य शुल्क और वसूली यदि हो, को घटाकर, प्रभावित तिथि तक	30-12-2026 from 02.00 PM to 06.00 PM 10 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार सहित	रु. 3,82,500/- रु. 38,250/- रु. 10,000/-	18-12-2026 पूर्व अप्वाईंटमेंट लेकर
गांधी नगर ब्रांच जम्मू (2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री मेंगा सिंह वाफेल न्यू गोडर्न इंटरप्राइजिज मेन रोड, सिकरियां, आर.एस. पुरा, जम्मू और श्री सतपाल पुत्र श्री ज्ञान चंद, वार्ड नं. 08, तहसील आर.एस.पुरा, जम्मू (गारंटर)	मकान और दुकान नंबर 7½ बाला, खसरा नंबर 120 (नया 225) खाता नंबर 145/113 और खेवट नंबर 9, मौजिया सिकरियां, तहसील आर.एस. पुरा, जम्मू (सांकेतिक कब्जा)	14-07-2010 रु. 9,18,611/- + ब्याज अन्य शुल्क और वसूली यदि हो, को घटाकर, प्रभावित तिथि तक	30-12-2026 from 02.00 PM to 06.00 PM 10 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार सहित	रु. 1,15,22,430/- रु. 11,52,243/- रु. 10,000/-	18-12-2026 पूर्व अप्वाईंटमेंट लेकर

सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002 के रूल 8 के तहत सिक्योर्ड एसेटस की बिक्री के लिए 30 दिन का नोटिस

नियम और शर्तें : बिक्री की डिटेल्ड नियम और शर्तों के लिए, कृपया वेबसाइट लिंक देखें / देखें : https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm और अधिकृत अधिकारी पोर्टल: https://baanknet.com जो प्रॉपर्टीज़ सांकेतिक कब्जा में हैं, बैंक उन प्रॉपर्टीज़ को सांकेतिक रूप से नीलामी खरीदने वाले को सौंप देगा। साथ ही, संभावित बोली लगाने वाले अधिकृत अधिकारी से मोबाइल नंबर 94192-46677, 79840-79806, 70871-15313 पर संपर्क कर सकते हैं।

तारीख : 19-11-2026 जगह : जम्मू हस्ता/- अधिकृत अधिकारी

जम्मू-कश्मीर में पहली बार मृत व्यक्ति के अंगों का दान, 3 मरीजों को मिलेगी नई जिंदगी

जम्मू, 19 नवम्बर (सतीश): जम्मू-कश्मीर में अंगदान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। उधमपुर स्थित कमांड अस्पताल (नॉर्दर्न कमांड) में पहली बार किसी मृत व्यक्ति के अंगों को सफलतापूर्वक निकालकर प्रत्यारोपण के लिए भेजा गया।

कमांड अस्पताल (नॉर्दर्न कमांड), उधमपुर और राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (सोटो) जम्मू-कश्मीर के संयुक्त प्रयासों से केन्द्र शासित प्रदेश में पहली बार किसी मृत व्यक्ति के जिगर और दोनों गुर्दों को प्रत्यारोपण के लिए सुरक्षित रूप से निकाला गया, जिन्हें नई दिल्ली स्थित आर.आर. अस्पताल पहुंचाया गया।

इन अंगों से तीन जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है।

इस उपलब्धि के साथ कमांड अस्पताल (नॉर्दर्न कमांड), उधमपुर जम्मू-कश्मीर में मृत अंगदाता से अंग प्राप्त करने वाला पहला केंद्र बन गया है। यह कदम प्रदेश में अंगदान और प्रत्यारोपण सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



अंगों को नई दिल्ली ले जाने के लिए तैयार विशेषज्ञों की टीम। (सोहन)

अंगदान करने वाले 56 वर्षीय जगदेव सिंह रियासी जिले के पौनी क्षेत्र के निवासी थे। वह भारतीय सेना में सेवारत एक सैनिक के पिता थे। मस्तिष्क में रक्तस्राव के बाद उन्हें कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तमाम उपचार के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन्हें मस्तिष्क मृत घोषित किया।

गहरे दुख के बावजूद परिवार ने अंगदान की सहमति देकर मानवता की मिसाल पेश की। मेजर जनरल संजय शर्मा की देखरेख में अस्पताल की टीम और सोटो जम्मू-कश्मीर के समन्वय से पूरी प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

खराब मौसम के कारण अंग निकालने के लिए दिल्ली से पहुंची चिकित्सकीय टीम का विमान उधमपुर में नहीं उतर सका और उसे जम्मू वायुसेना स्टेशन पर उतरना पड़ा।

इसके बाद जम्मू से उधमपुर तक पहला ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। अंग निकालने के बाद दूसरा ग्रीन कॉरिडोर कमांड अस्पताल से 39 विंग वायुसेना स्टेशन तक बनाया गया, जहां से अंगों को विमान के जरिए दिल्ली भेजा गया।

सोटो के नोडल अधिकारी डॉ. एलियास शर्मा ने इसे जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। गौरतलब है कि कमांड अस्पताल को वर्ष 2023 में अंग निकालने की अनुमति मिली थी।

यह प्रदेश में किसी मृत दानदाता से अंग प्राप्त करने वाला पहला केंद्र बन गया है। डॉ. एलियास शर्मा ने इसे जम्मू-कश्मीर में अंगदान के इतिहास का एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि मरणोपरांत अंगदान मानवता की सबसे महान सेवाओं में से एक है, जिससे मृत्यु के बाद भी दूसरों को नया जीवन दिया जा सकता है।